IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, March 2023
Impact Factor: 7.301

रीवा जिले में जल संकट एवं जलग्रहण प्रबंधन का आर्थिक विश्लेषण

संदीप तिवारी[1] एवं डॉ. सतीश कुमार तिवारी[2]
शोधार्थी, एम. ए. (अर्थशास्त्र)[1]
शोध निर्देशक एवं प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग[2]
शा. ठा. र. सिंह महाविद्यालय (स्व. एवं उत्कृष्टता केन्द्र), रीवा, (म.प्र.)

शोध सारांशः

विश्व में निरंतर जल संकट बढ़ रहा है। नदी, नाले सिमटते जा रहे हैं। वनोन्मूलन के कारण वर्षा जल ने मृदा से सम्बंध तोड़ लिए हैं, जबकि दुनिया के वैज्ञानिक जलवायु में हो रहे अवांछित परिवर्तनों को जल संकट का कारण मान रहे हैं। पृथ्वी पर कुल 140 करोड़ घन मीटर जल है। इसका 97.2 प्रतिशत लवणीय रूप में हैं। 2.15 प्रतिशत बर्फीली चोटियों एवं हिमनदों के रूप में जमा है। उक्त बिन्दु को शोध पत्र में ध्यान रखकर रीवा जिले के 9 विकासखण्डों में हुए जल संकट को उजागर कर उसके प्रबन्धन के विषय में अध्ययन करने का प्रयास है। ।

मुख्य शब्दः 'रीवा, जिले, जल, संकट, जलग्रहण, प्रबंधन, आर्थिक, विश्लेषण आदि।

संदर्भ स्रोत :–

[1]. जिला सांख्यकीय कार्यालय रीवा।
[2]. कपिल, एच. के (1986–87) अनुसंधान विधियॉ, हर प्रसाद भार्गव, आगरा।
[3]. कीथ, एफ, पुंज (2003)–सर्वे रिसर्च,–एसेशियल रिसोर्सेज फार सोशल रिसर्च।
[4]. होम्स, जी. राबर्टस (2005)–डूाइंग योर अर्ली इयर्स रिसर्च प्रोजेक्ट ए स्टेप बाई स्टेप गाइड।
[5]. राय पारसनाथ (2004)– अनुसंधान परिचय लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
[6]. मोहन, राधा एण्ड परमेश्वरन, ई.जी. (2008), रिसर्च मेथड्स इन इण्डिया, नील कमल पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद।
[7]. कुमार, रणजीत (2005)–रिसर्च मेथोडोलॉजी।
[8]. भारती, राधाकांत, 1998, भारत की नदियाँ, नेशनल बुक ट्रस्ट आफ इण्डिया, नई दिल्ली।